# मुख्यमंत्री की न्यायपालिका पर टिप्पणी नितांत निंदनीय, माफी मांगनी चाहिए : शेखावत

## केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बात पर यू टर्न ले लिया और कहा कि यह उनकी निजी राय नहीं है

**जोधपुर,** (कासं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आदरणीय और सम्मानीय नेता है। वे वरिष्ठ होने के साथ तीन बार प्रदेश के मुख्यमंत्री और भारत सरकार में सांसद भी रह चुके हैं। उनके द्वारा न्यायपालिका पर की गई टिप्पणी ना सिर्फ नितांत निंदनीय है बल्कि न्यायपालिका और अधिवक्ताओं का खुला अपमान है। इसके लिए उन्हें हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखाावत आज जोधपुर प्रवास के समय पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत ने इस बात पर यू टर्न ले लिया और कहा कि यह उनकी निजी राय नहीं है, मैं मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि आखिर यह राय किसकी है। जिस किसी की भी हो वे इसका सबूत देवें। अन्यथा हाथ जोड़कर माफी मांगे। शेखावत ने प्रदेश सरकार को कई मुद्दों पर घेरते हुए कहा कि इस सरकार का कोई भी ऐसा विभाग नहीं बचा है, जिसमें भ्रष्टाचार ना हुआ हो। माइनिंग से लेकर अन्नापूर्णा योजना तक में भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता को अन्नापूर्णा के नाम पर ठगा गया है और घटिया सामग्री दी गई है यह सब किसकी जिम्मेदारी है। ठेकेदार के खिलाफ क्राइम का केस बनता है जिसने जनता की जान के साथ खिलवाड़ किया है।

- **शेखावत ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि आखिर यह राय किसकी है**
- **शेखावत ने खुद के चुनाव लड़ने की बात पर कहा कि संगठन चाहेगा वो करेंगे, संगठन यदि उन्हें लोकसभा के लिए खड़ा करेगा या विधानसभा के लिए वे कहे अनुसार चलेंगे**

शेखावत ने पत्रकारों के सवालों पर कहा कि भाजपा की तरफ से निकाली जा रही परिवर्तन यात्रा में सभी नेता शामिल होंगे। वरिष्ठ नेता से लेकर स्थानीय स्तर के सभी नेता हिस्सा लेंगे। इसमें पार्टी की रणनीति के आधार पर सब होगा। उन्होंने खुद के चुनाव लड़ने की बात पर कहा कि संगठन चाहेगा वो करेंगे। संगठन यदि उन्हें लोकसभा के लिए खड़ा करेगा या विधानसभा के लिए वे कहे अनुसार चलेंगे। मगर उनका ध्येय भारत माता की जय रहेगा।

# मुख्यमंत्री गहलोत के जूडिशीएरी को लेकर दिए गए बयान से बवाल मचा

## बयान के खिलाफ जोधपुर में अधिवक्ताओं ने हड़ताल रखी, हाईकोर्ट व अधीनस्थ अदालतों में न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया

**जोधपुर,** (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ज्यूडिशियरी को लेकर दिए गए बयान से बवाल मच गया है। पूरे प्रदेश में गहलोत के बयान से वकीलों में गुस्सा है। न्यायिक जगत से भी गहलोत के बयान को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। जोधपुर में शनिवार को वकीलों ने इस बयान के खिलाफ हाईकोर्ट व अधीनस्थ अदालतों में न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया। उन्होंने किसी भी न्यायिक कार्य में भाग नहीं लिया। यह हड़ताल राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट लायर्स एसोसिएशन के संयुक्त आव्हान पर की गई।

राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रणजीत जोशी और लायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि भंसाली ने बताया कि ज्यूडिशियरी और वकीलों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए बयान के खिलाफ आज सभी अधिवक्ताओं ने हाईकोर्ट, लोअर कोर्ट सहित सभी अदालतों में न्यायिक कार्यों में हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने बताया कि आज एक दिन की सांकेतिक हड़ताल कर सीएम से मांग की गई है कि वह अपना बयान वापस ले और ज्यूडिशरी से माफी मांगे नहीं तो आंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा। वकीलों का कहना है कि मुख्यमंत्री की ज्यूडिशियरी के प्रति ऐसे बयानबाजी को लेकर हम आहत हैं। इससे आमजन में यूडिशियरी के प्रति विश्वास कम होता है। मुख्यमंत्री अपनी सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार से ध्यान भटकाने के लिए ज्यूडिशियरी और वकीलों पर ऐसे बयान कर रहे हैं। ऐसे बयान कोर्ट की अवमानना है। मुख्यमंत्री का बयान न्याय की छवि को धूमिल करने वाला है।

- **यह हड़ताल राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट लायर्स एसोसिएशन के संयुक्त आव्हान पर की गई**
- **सीएम से मांग की गई है कि वह अपना बयान वापस ले और ज्यूडिशरी से माफी मांगे नहीं तो आंदोलन को और अधिक तेज किया जाएगा**

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि 'ज्यूडिशियरी में भयंकर भ्रष्टाचार हो रहा है। मैंने सुना है कि कई वकील तो जजमेंट लिखकर ले जाते हैं। वही जजमेंट आता है। ज्यूडिशियरी के अंदर यह क्या हो रहा है? चाहे लोअर ज्यूडिशियरी हो या अपर। हालात गंभीर हैं। देशवासियों को सोचना चाहिए।'

# कोटड़ी भट्टीकांड में 472 पेज की चार्जशीट पेश

## पुलिस ने 48 गवाह बनाये

**भीलवाड़ा,** (नि.सं.)। जिले के कोटड़ी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग को गैंगरेप के बाद कोयला भट्टी में झोंक कर निर्मम हत्या को अंजाम देने वाले सभी आरोपियों के खिलाफ शनिवार को कोटड़ी डिप्टी श्यामसुंदर विश्नोई ने कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है।

जानकारी के अनुसार एक माह पहले कोटड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव की 17 साल की नाबालिग किशोरी घर से बकरियां चराने जंगल में गई जो लापता हो गई थी। सूचना पर आनन-फानन में तलाश में जुटी पुलिस को बच्ची के कड़े और चप्पल पास ही जंगल में एक कोयला की भट्टी के बाहर मिले थे। पुलिस ने अपनी शुरूआती जांच में बच्ची के साथ गैंगरेप की आशंका जताई। पुलिस ने जब संदिग्धों को डिटेन कर पूछताछ की तो चौंकाने वाली घटना सामने आई। इस नाबालिग के साथ दो बदमाशों ने गैंगरेप किया था।

इसके बाद अन्य नौ लोगों, जिनमें दो बाल अपचारी है, की मदद से शव को पहले कोयला भट्टी में झोंक दिया था। लेकिन जब शव पूरी तरह नहीं जला तो उसे निकाल कर एक फार्म पोंड में डाल दिया गया था। कोटड़ी भट्टी कांड की गूंज दिल्ली तक पहुंचने के बाद सरकार ने इस मामले में जल्द से जल्द सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और चार्जशीट पेश करने पर जोर दिया। पुलिस ने अथक प्रयास के बाद शुरुआत में चार, इसके बाद शेष लोगों सहित नौ लोगों की गिरफ्तारी कर 2 बाल अपचारियों को निरुद्ध किया। तफ्तीश के बाद उन्हें जेल और बाल सुधारगृह भिजवा दिया था। पुलिस ने एक माह में इस मामले की तफ्तीश पूर्ण कर ली। पुलिस का कहना है कि एक माह बाद आज पुलिस ने कोर्ट में 9 आरोपितों के खिलाफ 472 पेज की चार्जशीट पेश की। पुलिस ने इस मामले में 48 गवाह बनाये हैं। बता दें कि मामले में दो बाल अपचारी है, जिनके खिलाफ अलग से बाल न्यायालय में चार्जशीट पेश की जायेगी।

- **दो बाल अपचारियों के खिलाफ अलग से बाल न्यायालय में चार्जशीट पेश की जायेगी**

# महिला को निर्वस्त्र घुमाने की निंदा

**जयपुर।** अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने प्रतापगढ़ जिले के धरियाबाद क्षेत्र में महिला को निर्वस्त्र घुमाने की कड़े शब्दों में निंदा एवं भर्त्सना की है।

समिति का कहना है कि राजस्थान में महिलाओं के साथ बलात्कार हिंसा वह जधन्य अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। प्रतापगढ़ जिले के धरियावद तहसील के गांव में एक महिला को जिस तरह से निर्वस्त्र कर गांव में घुमाया गया है वह पूरे प्रदेश को और सरकार को शर्मसार कर देने वाली घटना है। महिलाओं के साथ जिस तरह से बर्बरतापूर्वक ढंग से हिंसा करते हुए यौन अपराध किए जा रहे हैं वो सभ्य समाज पर कलंक है। संगठन प्रदेश सरकार से पुरजोर मांग करता है कि महिलाओं के साथ हो रही घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस एवं प्रशासन को पाबंद किया जाए और अपराधियों के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्यवाही करते हुए सख्त सजा दिलवाई जाए। ताकि समाज को शर्मशार करने वाली घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो।

- **अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति ने निंदा की**

# डेपुटेशन चोर दरवाजा है, इसकी रोकथाम के लिए कानून बनाना चाहिए : चिकित्सा मंत्री

## चिकित्सा मंत्री ने सार्वजनिक बयान दिया कि डेपुटेशन कराने के लिए 10 से 15 लाख रुपए देने पड़ते हैं तब जाकर जयपुर डेपुटेशन होता है

**दौसा,** (निसं)। लालसोट विधानसभा से चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा रोज नए बयान देने के चलते सुर्खियों में बने हुए हैं हाल ही में उनके द्वारा राजनीति में वंशवाद को लेकर बयान दिया गया था। अब शनिवार को सरकारी कॉलेज में चित्रकला कक्षा के लोकार्पण कार्यक्रम में दिए गए डेपुटेशन चोर दरवाजे जैसे बयान के बाद फिर से चिकित्सा मंत्री सुर्खियों में हैं।

जिले के लालसोट उपखंड स्थित राजकीय राजेश पायलट कॉलेज में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने संबोधन के दौरान बयान देते हुए कहा कि सरकारी विभागों में डेपुटेशन चोर दरवाजा है, इसकी रोकथाम के लिए कानून बनना चाहिए। चिकित्सा मंत्री ने सार्वजनिक बयान दिया कि डेपुटेशन कराने के लिए 10 से 15 लाख रुपए देने पड़ते हैं तब जाकर जयपुर डेपुटेशन होता है। चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि डेपुटेशन वे करवाते हैं जो कामचोर होते हैं एवं जिन्हें काम नहीं आता और वह कार्य का संपादन करना ही नहीं चाहते हैं।

चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि, उनके चिकित्सा मंत्री बनते ही स्वास्थ्य विभाग में उन्होंने एक ही दिन में एक हजार के करीब डेपुटेशन तुरंत सिंगल आदेश निरस्त किए थे। मंत्री मीणा ने कहा कि उन्होंने दो साल के अंदर एक भी डेपुटेशन नहीं किया है एवं पहले कहीं डॉक्टर होते थे कहीं नहीं होते थे कहीं मेडिकल स्टाफ था कहीं नहीं था। अब प्रत्येक उप स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जिला अस्पताल में पर्याप्त चिकित्साकर्मी चिकित्सा अधिकारी लगे हुए है। संबोधन के दौरान चिकित्सा मंत्री मीणा ने सरकारी पीजी कॉलेज के प्रिंसिपल को कहा कि जो डेपुटेशन चाहते हैं उनकी लिस्ट मुझे दे दो मैं सब का डेपुटेशन कैंसिल करा दूंगा ऐसे लोगों को तो नौकरी करने का अधिकार नहीं है।

चिकित्सा मंत्री मीणा ने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि कई जगहों पर सरकारी कार्य में डेपुटेशन करा कर खुद का व्यापार करते हैं। मंत्री मीणा ने कहा कि वे डेपुटेशन के चोर दरवाजे के खिलाफ हैं और वे चाहते हैं कि जहां कार्य में काम करें वहीं से उसे वेतन मिले। साथ ही वे पुरजोर प्रयास कर रहे हैं कि इस डेपुटेशन के खिलाफ भी कानून बने ताकि इसकी रोकथाम हो सके। बहरहाल आगामी विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा दिए जा रहे हैं राजनीति में वंशवाद एवं सरकारी विभागों में डेपुटेशन चोर दरवाजा इन बयानों के बाद चिकित्सा मंत्री मीणा लोगों में हो रही चर्चा में सुर्खियां बटोर रहे हैं।

गौरतलब है कि चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा लोकसभा चुनाव में उनके पुत्र द्वारा चुनाव लड़ने की इच्छा को नेस्तनाबुत किया था। क्षेत्र में खुद की कद्दावर एवं साफ-सुथरी व निष्पक्ष छवि रखने की चाह रखने वाले चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा के बयान पीके तक होने के चलते कई बार सुर्खियों में भी बने रहते हैं। इस कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रक्षा मिश्र पीसी से सदस्य पूर्व अध्यक्ष दिनेश मिश्र प्राचार्य किरोड़ी लाल मीणा पंचायत समिति के प्रधान एडवोकेट नाथूलाल मीणा दीपक पुरोहित आदि कई लोग मौजूद रहे।

- **राजकीय राजेश पायलट कॉलेज में चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने चित्रकला कक्ष के लोकार्पण समारोह को संबोधित किया**

# पूर्व सीएम राजे व कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन गौरव गोगोई की मुलाकात

## दोनों में हुई मुलाकात के निकाले जा रहे हैं कई मायने

**जयपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष सांसद गौरव गोगोई की मुलाकात चर्चाओं में है। यह मुलाकात वैसे तो उदयपुर एयरपोर्ट के लाउंज में हुई है, लेकिन इस मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकल जा रहे हैं। बस फिर क्या था, तस्वीरें बाहर आईं तो चर्चा में आ गईं। तस्वीरों के सामने आते ही कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने कई शेरो शायरियां लिखकर अपने-अपने अंदाज में ट्वीट किया जिनमें कई राजनीतिक मैली निकल जा सकते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष सांसद गौरव गोगोई से मुलाकात की।

गौरतलब है कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई इन दिनों बतौर कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन की हैसियत से राजस्थान दौरे पर आये हुए हैं। शुक्रवार को वे उदयपुर थे। वहीं पूर्व सीएम वसुंधरा राजे भी भाजपा की परिवर्तन यात्रा से एक दिन पहले देव दर्शनों के लिए निकली हुई थीं। यही कारण रहा कि दोनों विरोधी दलों के नेता अनायास ही उदयपुर एयरपोर्ट पर टकरा गए।

सांसद गौरव गोगोई ने वसुंधरा राजे को सामने देखते ही उनका अभिवादन किया। जवाब में राजे ने भी अभिवादन स्वीकार करते हुए गोगोई से मुलाक़ात की। इस दौरान कांग्रेस के अन्य नेता भी गोगोई के साथ रहे। इसके बाद कुछ देर के लिए गोगोई और राजे के बीच बातचीत का दौर भी चला। सभी नेताओं ने मिलकर तस्वीर खिंचवाई और फिर अपने-अपने गंतव्य की ओर चल दिए।

सांसद गौरव गोगोई पिछले दिनों संसद सत्र के दौरान तब ज़्यादा चर्चा में रहे जब विपक्ष की ओर से मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। प्रस्ताव के शुरूआती भाषण पर बोलते हुए उन्होंने मोदी सरकार पर कई आरोप भी लगाए थे और सवाल भी पूछे थे।

सांसद गौरव गोगोई कांग्रेस पार्टी के युवा सांसदों में से एक हैं। वे असम की कलियाबोर सीट से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं। वहीं वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह भी लोकसभा से भाजपा सांसद हैं। संसद सत्र के दौरान गोगोई और दुष्यंत एक-दूसरे के आमने-सामने रहते हैं।

# खैरथल-मातोर सड़क पर लगे टोल प्लाजा को हटाने की मांग

## विधायक मनजीत चौधरी धरने पर बैठे, अति. कलेक्टर ने समझाइश की

**खैरथल,** (निसं)। किशनगढ़ बास-खैरथल सड़क मार्ग पर टोल हटाने के बाद अब मुंडावर विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी विधानसभा क्षेत्र के खैरथल-मातोर सड़क मार्ग पर लगे टोल प्लाजा को हटवाने के लिए अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। इस सूचना के साथ पहुंचे पुलिस प्रशासन के अधिकारीयों की समझाइश के बाद भी जब भाजपा विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी नहीं उठे तो देर रात को अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश साहरण मौके पर पहुंचे और विधायक से वार्ता कर धरना समाप्त कराया।

विधायक से वार्ता कर धरना समाप्त कराकर अवरुद्ध मार्ग खुलवाया।

टोल प्लाजा हटाए जाने की मांग को लेकर धरना दे रहे मुंडावर विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी का कहना था कि सरकार ने खैरथल किशनगढ़ बास सड़क मार्ग पर से टोल प्लाजा हटाकर और मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के खैरथल मातोर सड़क पर लगे टोल प्लाजा को नहीं हटाकर मुंडावर की जनता के साथ सौतेला व्यवहार किया है। जब खैरथल किशनगढ़ बास मार्ग पर सरकार टोल प्लाजा को हटा सकती है तो फिर खैरथल मातोर सड़क पर लगे टोल प्लाजा को क्यों नहीं हटाया जा सकता है।

मुंडावर विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी टोल प्लाजा हटाए जाने की मांग को लेकर 2 दिन पूर्व खैरथल तिजारा जिला कलेक्टर ओमप्रकाश बैरवा से मिले थे और ज्ञापन देते हुए नहीं हटाए जाने पर धरने पर बैठने की चेतावनी दी थी। शुक्रवार को विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी टोल प्लाजा नहीं हटने पर समर्थकों के साथ टोल प्लाजा पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। विधायक के धरने पर बैठने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के अधिकारी पहुंचे और विधायक को समझाइश करने लगे लेकिन विधायक नहीं माने।

देर रात अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश साहरण टोल प्लाजा पर पहुंचे और धरने पर बैठे विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी से वार्ता कर धरना समाप्त कराकर अवरूद्ध हो रहे मार्ग को खुलवाकर यातायात सुचारु कराया।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश साहरण ने बताया कि मुंडावर विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी की मांग थी की खैरथल मातोर सड़क मार्ग पर से टोल प्लाजा को हटाया जाए। विधायक की मनजीत धर्मपाल चौधरी की ओर से रखी गई मांगों को सरकार को भेज दी है। एसडीएम किशनगढ़बास किशन मुरारी मीणा एसडीएम मुंडावर प्रियंका बडगूजर डिप्टी एसपी किशनगढ़बास सुरेश कुड़ी एसएचओ किशनगढ़बास अमित चौधरी, एसएचओ मुंडावर नंदलाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# मालपुरा को जिला बनाने की मांग, धरना 165वें दिन भी जारी

**मालपुरा,** (निसं)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर जिला बनाओ कोर कमेटी के बैनर तले चल रहा धरना शनिवार को 165वें दिन भी जारी रहा। कोर कमेटी के आव्हान पर महेश सेवा सदन में आंदोलन को उग्र करने की रणनीति के लिए बुलाई गई बैठक में पांच हजार लोगों के साथ जयपुर कूच करने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया। कोर कमेटी की हुई बैठक में बड़ी संख्या में पहुंचे विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों ने गांधीवादी तरीके से अपने अधिकारों के लिए आंदोलन कर रहे मालपुरा वासियों द्वारा मालपुरा को जिला बनाने की मांग व धरना प्रदर्शन से कांग्रेस सरकार के कानों पर जूं तक नही रैंगने तथा मालपुरा को जिला बनाने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा जान बूझकर की गई अनदेखी को लेकर गहरा आक्रोश देखा गया है।

कोर कमेटी के आव्हान पर आंदोलन को उग्र करने की रणनीति के लिए बैठक बुलाई।

मौजूद नागरिकों ने मालपुरा को जिला बनाने के लिए किये जा रहे आंदोलन को उग्र करने तथा सरकार पर दबाव बनाने के लिए जयपुर भीलवाड़ा व दूदू छाण स्टेट हाईवे जाम कर बीसलपुर से जयपुर पेयजल लाईन को बंद करने सहित सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्र को बंद कर जयपुर कूच कर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का सुझाव रखा गया। कोर कमेटी के प्रबुद्धजनों द्वारा गुस्साएं लोगों को समझाईश कर गांधीवादी आंदोलन को जारी रखने तथा 15 सितम्बर के बाद 5 हजार लोगों के साथ जयपुर कूच करने का निर्णय लिया गया। विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनने के लिए दौड़ भाग कर रहे नेताओं से ज्यादा से ज्यादा भीड़ जुटा जयपुर पहुंचने व मुख्यमंत्री से मिल मालपुरा को जिला बनाने की मांग कर घोषणा का दबाव बनाने का आव्हान किया गया। बैठक में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे शिक्षक नेता जतन लाल जाट, एडवोकेट रवि कुमार जैन, सुभाष गालव, रघुवीर सिंह आखतडी, रूपचंद आकोदिया, एडवोकेट कन्हैयालाल सैनी, माधुलाल जाट, किशन लाल फगोडिया, डीआर किशन लाल बैरवा सहित बड़ी संख्या में विधानसभा क्षेत्र के नागरिक मौजूद रहे।